



Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed
Internal Quality Assurance Cell
Department of English
Programme Specific Outcomes (PSOs)

Academic Year - 2023-2024

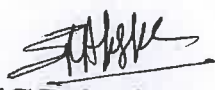
Graduate Students with Special English will be:

- Acquainted with the forms of English literature, literary texts, authors and English language.
- Able to apply critical and theoretical approaches to the reading and analysis of English literary texts in multiple genres.
- Able to identify, analyze, interpret and describe the critical ideas, values, and themes of literary texts and understand the impact of literature.
- Able to communicate in English and can write analytically in a variety of formats – essays, reviews of literary texts, research papers and reflective writing.
- Able to gather, understand, evaluate and synthesize information from Electronic and Print media.
- Able to interpret and compare human life and culture through the study of literary Discourse.
- A Global competent and employable.


IQAC Co-ordinator
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed (MS)


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)




I/C Principal
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MH.)

Mauli Vidyapeeth's

Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed

Internal Quality Assurance Cell

Department of English

Course Outcomes

B.A.F.Y. First & Second Semester

English Compulsory


Paper- I & II

Academic Year - 2023-2024

- Explain nature and structure of sonnet.
- Differentiate various types of genres.
- Identify parts of speech appearing in sentences.
- Distinguish between open and close class item is clear to students.
- Have a good knowledge of tenses.


IQAC Co-ordinator
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed (MS)




I/C Principal
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MH.)


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth's

Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed

Internal Quality Assurance Cell

Department of English

Course Outcomes

B.A.S.Y. Third & Fourth Semester

English Compulsory

Paper- III & IV
Academic Year- 2023-2024

- Understand and acquire English language skill through creative writing.
- Distinguish between spoken language and the written.
- Use of English language appropriately, creatively and imaginatively.
- Identify the main idea and themes depicted in a text.
- Have competence in various concepts in Grammar and writing skills.


IQAC Co-ordinator
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed (MS)




I/C Principal
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MH.)


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed
Department of Hindi
Academic Year- 2023-24

Programme Specific Outcomes of B.A. Hindi (PSOs)

- ❖ बी.ए. हिंदी एक स्नातक उपाधि है। उपाधि के पश्चात् छात्राओं के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं।
- ❖ यह परंपरागत कोर्स मानवीय मूल्य, संवेदना, मानवीयता, नैतिकता, जीवनमूल्य, देशभक्ति, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, संस्कार आदि आयामों को लेकर भी छात्राओं को सक्षम बनाता है।
- ❖ लेखक और कवि द्वारा लिखित साहित्य छात्राओं की उम्र, स्तर, उनकी मानसिक विकास को ध्यान में रखकर निर्धारित किए जाते हैं। जिनका उद्देश्य उज्ज्वल भारत का निर्माण करना होता है।
- ❖ हिंदी में आधुनिक कौशल्य से निर्माण विभिन्न कोर्स जैसे कि, समाचार लेखन, रेडिओवार्ता, विज्ञापन लेखन, कम्प्यूटर का प्रयोग आदि से जुड़े पाठ्यक्रम, रोजगार एवं व्यवहारिक तथा व्यापारिक स्तर पर नए अवसर निर्माण करता है।
- ❖ बी.ए. उपाधि के पश्चात् कई छात्राओं ने अनुवाद, बैंकिंग, शिक्षाक्षेत्र, उद्योग, व्यापार आदि में जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।
- ❖ बी.ए. उपाधि के पश्चात् छात्राओं ने एम.ए. बी.एड्, पीएच-डी. आदि पारंपारिक कोर्स के साथ-साथ पत्रकारिता, अनुवाद जैसे अद्यतन व्यावसायिक क्षेत्र में भी पढ़ाई हेतु प्रवेश लेते हैं।
- ❖ स्नातक की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् छात्राओं के लिए रोजगार के विभिन्न अवसर निर्माण हो जाते हैं और सफलता का प्रतिशत बढ़ जाता है। छात्राएँ जिम्मेदार नागरिक बनकर अपने परिवार और देश की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed
Department of Hindi
Academic Year- 2023-24
Course Outcomes (COs)

B.A. First Year HINDI

सामान्य हिंदी (Second Language - Paper-I, II)

- प्रस्तुत अध्ययन से छात्रों के भाषा कौशल्य विकसित होता है।
- छात्रों में हिंदी भाषा के महत्व के साथ ही व्याकरणिक सजगता निर्माण होती है।
- मानवीय संवेदनाओं तथा भावनाओं को बढ़ावा मिलता है।
- हिंदी कहानी साहित्य का परिचय प्राप्त होता है। हिंदी के प्रमुख लेखक तथा उनकी लेखन विशेषताओं का परिचय प्राप्त होता है।
- हिंदी भाषा का उद्भव और विकास के साथ-साथ हिंदी वर्णमाला एवं अंकलेखन से भी परिचित होते हैं।
- भारतीय संत साहित्य का ज्ञान (अमिर खुमरो, संत नामदेव, संत कबीर, मीराबाई तथा रहीम आदि) प्राप्त होता है।
- पुष्प की अभिलाषा के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की भावना निर्माण होती है।

ऐच्छिक हिंदी (प्रथम सत्र)

प्रश्नपत्र-१ (हिंदी साहित्य का इतिहास)

- मानवीय जीवनमूल्यों का विकास एवं उनके प्रति आस्था निर्माण करना।
- लेखन परंपरा तथा युगीन व्यवस्था का सर्वांगीण परिचय हुआ।
- स्वाधीनता और परतंत्रता की अनुभूति हुई।
- संत परंपरा के नैतिक मूल्यों का साक्षात्कार हुआ।

➤ साहित्य विधाओं की भूमिका से लगाव निर्माण हुआ ।

➤ मानवीय दृष्टिकोण वृद्धिगत हुआ ।

प्रश्नपत्र-२ (आधुनिक कविता)

➤ हिंदी कविता के प्रति छात्रों में अभिरूचि की वृद्धि करना । मानवीय भाव-भावनाएँ, उनका विकास करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य है ।

➤ भारतेन्दु हरिश्चंद्र द्वारा लिखित मातृभाषा प्रेम के दोहे से मातृभाषा के प्रति आस्था निर्माण होती है ।

➤ राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के भजन से छात्रों को स्वच्छता एवं निसर्ग प्रेम का पाठ पढ़ाया जाता है ।

➤ दलित एवं आदिवासी कविताओं को भी इस प्रश्नपत्र में सम्मेलित किया गया है । जैसे कि, ओमप्रकाश वाल्मीकि (बस्स ! बहुत हो चुका) तथा निर्मला पुतुल का (उतनी दूर मत ब्याहना बाबा) ।

ऐच्छिक हिंदी (द्वितीय सत्र)

प्रश्नपत्र-३ (हिंदी गद्य साहित्य)

➤ कहानी विधा की प्रभावशीलता दृष्टिगोचर हुई ।

➤ यथार्थपरक भावना निर्माण हुई ।

➤ स्त्रीविषयक सामाजिक दृष्टिकोण और प्रासंगिक परिवर्तन का संदेश मिला ।

➤ वर्तमान परिप्रेक्ष्य की भावानुभूति प्राप्त हुई ।

➤ साहित्य की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, राष्ट्रीय उपयोगिता सिद्ध हुई ।

प्रश्नपत्र-४ (मध्ययुगीन कविता)

➤ हिंदी साहित्य के मध्ययुगीन काव्य विधाओं का परिचय करवाना ।

➤ मानवीय जीवनमूल्य, संवेदनाओं का विकास और उनके प्रति आस्था निर्माण करना ।

- साहित्य आस्वादन और मूल्यांकन क्षमता का विकास करना ।
- भारतीय भक्ति आंदोलन का अध्ययन करना ।
- रीतिकालीन संवेदनाओं का अध्ययन करना ।
- कविता के माध्यम से मध्यकालीन सांस्कृतिक संवेदना का अध्ययन करना ।
- भक्ति तथा रीतिकालीन पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से छात्रों को परिचित कराना ।



PRINCIPAL

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

B.A. Second Year HINDI

सामान्य हिंदी (Second Language - Paper-III, IV)

- साहित्य आस्वादन एवं मूल्यांकन क्षमता का विकास करना ।
- हिंदी के आधुनिक गद्य साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं का परिचय प्राप्त करना ।
- हिंदी कहानी, कविता, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी, आत्मकथा, जीवनी, निबंध, यात्रावृत्त, व्यंग्य, रिपोर्टाज, पत्र आदि विधाओं का परिचय कर चुके हैं ।
- जीवनमूल्य, भाव-भावनाओं, सुविधाओं के परिचय के साथ आधुनिक साधनों की भाषा का ई-प्रयोग कैसे करें इसका परिचय भी छात्र कर पाते हैं ।
- रेडिओ वार्ता लेखन, समाचार लेखन, मीडिया के विविध आयाम, हिंदी भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता, बैंकिंग हिंदी, वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा का महत्व, उद्योग व्यापार में हिंदी के सहारे कैसे आर्थिक प्रगति कर सकते हैं । आदि बिंदुओं से परिचित करवाने का भी उद्देश्य रहा है ।

ऐच्छिक हिंदी (तृतीय सत्र)

प्रश्नपत्र-५ (हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल)

- हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल प्रश्नपत्र में समाविष्ट करने के पीछे यह उद्देश्य रहा है कि, हिंदी के छात्र हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल से परिचित हो ।
- साहित्य के विविध विधाओं के आस्वादन का आनंद लेने की आदत और अभिरूचि का विकास करना ।
- आधुनिक काल के परिस्थितियाँ तथा विशेषताओं से परिचित कराना ।
- आधुनिक काल में भारतेंदु काल से लेकर द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नई कविताओं का परिचय तथा विशेषताओं से परिचित कराना ।

प्रश्नपत्र-६ (नाटक साहित्य)

- हिंदी नाटक साहित्य की विविध धाराओं-परंपराओं से छात्रों को अवगत कराना ।
- रंगमंच की अवधारणा तथा भारतीय नाट्य परंपरा का सैद्धांतिक ज्ञान छात्रों को कराना ।
- नाटक मंचन तथा अभिनय अभिरूचि की वृद्धि कराना ।
- नवाधुनातन रंगमंच तथा दृश्य माध्यमों की प्रयोगधर्मिता का ज्ञान छात्रों को कराना ।
- छात्रों में नाट्य कौशल की अभिवृद्धि कराना ।

ऐच्छिक हिंदी (चतुर्थ सत्र)

प्रश्नपत्र-७ (कथेत्तर गद्य साहित्य)

- हिंदी कविता के प्रति छात्रों में अभिरूचि की वृद्धि करना । मानवीय भाव-भावनाएँ, उनका विकास करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य है ।
- गद्य साहित्य की विविध विधाओं से छात्रों को परिचित कराना ।
- गद्य साहित्य के पठन-पाठन की अभिरूचि को विकसित करना ।
- रामायण रामचरित मानस तथा रामायण कथा से अलग सीता का चरित्र एक स्त्री का पुरुष के प्रति विद्रोह इस रूप में मिलता है, इसका परिचय कराना है ।
- गद्य साहित्य के माध्यम से आधुनिक जीवन का बाजारीकरण, अर्थसत्ता, परेशानियाँ, भ्रमभंग आदि वास्तविकता से छात्रों को परिचित करवाना मुख्य उद्देश्य है ।

प्रश्नपत्र-८ (एकांकी साहित्य)

- छात्रों को हिंदी एकांकी साहित्य की विविध धाराओं से अवगत कराना ।
- छात्रों को रंगमंच की अवधारणा तथा भारतीय नाट्य परंपरा का ज्ञान कराना ।
- छात्रों को दृश्य माध्यमों की प्रयोगधर्मिता का ज्ञान कराना ।

- छात्रों को वैश्वीकरण के दौर में दृश्य माध्यमों की प्रमुख भूमिका से अवगत कराना ।
- छात्रों में नाट्य कौशल की अभिवृद्धि कराना ।

B.A. Third Year HINDI

ऐच्छिक हिंदी (पंचम सत्र)

प्रश्नपत्र-९ (प्रादेशिक भाषा साहित्य)

- मानवीय जीवनमूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना ।
- साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिष्कार करना ।
- प्रादेशिक भाषा के साहित्य से परिचित करवाना ।
- भारतीय साहित्य का अध्ययन करना ।

प्रश्नपत्र-१० (आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास)

- हिंदी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल का परिचय देना ।
- हिंदी साहित्य के इतिहास तथा आरंभिक काल का परिचय कराना ।
- हिंदी साहित्य के लेखन स्रोतों एवं परंपराओं पर प्रकाश डालना ।
- मानवीय जीवनमूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना ।
- साहित्य आस्वादन और अभिरूचि का परिष्कार करना ।

प्रश्नपत्र-११ (साहित्यशास्त्र-१)

- साहित्यालोचन क्षमता का परिचय कराना ।
- साहित्य चिंतन परंपरा का अध्ययन करना ।
- साहित्य सृजन के संस्कार कराना ।
- साहित्य एक प्रकार से शास्त्र है, उसे पढ़ना, चिंतन, आकलन, मूल्यांकन और सृजन करना एक प्रकार की शास्त्रीय तकनीक है । इसी तकनीक का विकास करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य है ।

- साहित्य का स्वरूप, तत्त्व, प्रयोजन, हेतू, शब्द-शक्ति, रस, अलंकार, छंद, विविध विधाओं का स्वरूप तथा आलोचना आदि अंग का छात्रों को परिचय करवाना।
- हिंदी भाषा के छात्र होने के नाते एक परिपूर्ण मनुष्य बनाना और मानवीय जीवन की आकलन क्षमता का विकास करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।
- साहित्य मूल्यांकन करने का दृष्टिकोण विकसित करना तथा कलापक्ष पर प्रकाश डालना रहा है।

प्रश्नपत्र-१२ (प्रकल्प कार्य-१)

- पठन-पाठन और लेखन कौशलों का विकास करना।
- आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना।
- अनुसंधानात्मक दृष्टि का विकास करना।
- प्रकल्प प्रस्तुति की तकनीक से छात्रों को परिचित कराना।

ऐच्छिक हिंदी (षष्ठम सत्र)

प्रश्नपत्र-१३ (मध्यकालीन काव्य)

- भारतीय भक्ति आंदोलन का अध्ययन करना।
- रीतिकालीन संवेदनाओं का अध्ययन करना।
- कविता के माध्यम से मध्यकालीन सांस्कृतिक संवेदना का अध्ययन करना।
- भक्ति तथा रीतिकालीन पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से छात्रों को परिचित कराना।

प्रश्नपत्र-१४ (आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास)

- हिंदी साहित्य के आधुनिक काल का परिचय कराना।
- हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- आधुनिक कालीन हिंदी कविता और गद्य लेखन पर प्रकाश डालना।

- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी साहित्यकारों की भूमिका और उनके काव्य का मूल्यांकन करना ।
- हिंदी साहित्य के अद्यतन प्रयोग का मूल्यांकन करना ।

प्रश्नपत्र-१५ (साहित्यशास्त्र-२)


- साहित्य चिंतन परंपरा से परिचित कराना ।
- साहित्यालोचन और सृजन क्षमता का विकास करना ।
- रस, अलंकार, छंद विविध विधाओं का स्वरूप, आलोचना आदि अंग का अध्ययन कराना ।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं से छात्र को परिचित करते हुए तात्विक अध्ययन करना ।
- साहित्य के कलापक्ष का मूल्यांकन करना ।
- छात्रों में साहित्यालोचन की दृष्टि विकसित करना ।

प्रश्नपत्र-१६ (प्रकल्प कार्य-२)

- पठन-पाठन और लेखन कौशलों का विकास करना ।
- आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना ।
- अनुसंधानात्मक दृष्टि का विकास करना ।
- प्रकल्प प्रस्तुति की तकनीक से छात्रों को परिचित कराना ।



डॉ. चित्रा धामणे
विभागाध्यक्ष एवं सहयोगी अध्यापक


डॉ. लक्ष्मण तोंडाकुर
सहाय्यक अध्यापक



PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122 (MS)

Mauli Vidyapeeth's,
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.
Internal Quality Assurance Cell
Department of Sociology
Academic Year : 2023 - 24
Program Specific Outcomes (PSOs)

Students who have taken sociology subject for degree have a lot of opportunities in the future

- ★ The students work as a social worker.
- ★ Students can build their career as a social worker, NGOs.
- ★ Students will get to employment opportunities as a teacher or professor.
- ★ To understand the social values, social control, social behaviour, cultural values.
- ★ To be able to understand causes effects and solution of social problems
- ★ To review the social cultural and religious condition.
- ★ Development of women empowerment, Status of women.
- ★ To create awareness about the impact of social problems by providing information about social problems.
- ★ To reduce the severity of the problem by creating awareness in the society about the social problems.
- ★ Job opportunities in many fields through mass media.


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)



Dr. Sunanda Aher
Associate Professor
Head of Department
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122

Mauli Vidyapeeth's,
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.
Internal Quality Assurance Cell
Department of Sociology
Academic Year - 2023-24
Course Outcomes (COS)

Sr.no.	Class	Semester	Paper no.	Title of paper	Course Outcome
1	B.A.F.Y.	I	I	Introduction to Sociology (CC-1A)	1) Students understand the social context of emergence of Sociology. 2) Students understood about introduce basic concepts in Sociology. 3) To familiarise students with new avenues in Sociology.
2	B.A.F.Y.	I	II	Indian social Institutions (CC-1B)	1) Students understand to be able to identify the functions of a given social Institutions. 2) Students understand to identify institutional structures within societies. 3) Students understand to know the rules governing these institutions.
3	B.A.F.Y.	II	III	Basic Concepts in Sociology (CC-1C)	1) Students understand to introduce the basic concepts in Sociology. 2) To familiarise students with the theoretical aspect of different concepts. 3)To give an outline of sociological Background.
4	B.A.F.Y.	II	IV	Transformation in Social Institutions (CC-2C)	1) Students understand the basic Institutions of society with its never dimensions. 2) students understand to develop critical understanding of the functioning of social Institutions 3) Students understand to the concepts and current versions of social change.
5	B.A.S.Y.	III	V	Indian Society (CC-1E)	1) they are made familiar with the Indian Society. 2) Its linkages and continuity with the past and present. 3) This paper provides comprehensive understanding of Indian Society
6	B.A.S.Y.	III	VI	Cinematic sociology (SEC)	1)Students are introduced the key ideas within a theory. They understand the

				-1A)	<p>importance of Cinema's impact on society.</p> <p>2) students will investigate question through a filmic analysis of sociological issues. will consider both narrative and documentary films and use them to engage in a sociological exploration of Identity, interaction, inequality and institutions.</p> <p>3) Students explore the familiar path of cinema to connect to larger theoretical grounds.</p>
7	B.A.S.Y.	IV	VII	Indian Society: Issues and Concerns(CC-1F)	1) The course content will empower the students to deal with the current challenges and to serve as change agents in government and nongovernmental organizations.
8	B.A.S.Y.	IV	VIII	Sociology of Mass Media (SEC- 1B)	<p>1) An appreciation of mediated character of social existence and its history.</p> <p>2) An acquaintance with concepts and various theoretical strands in sociology of media.</p> <p>3) An understanding of social, political and cultural processes that underpin the operations of our mediated ecosystem and their effects.</p>
9	B.A.T.Y.	V	IX	Sociological Traditions	<p>1) To provide information to the students with the understanding of historical, socio-economic and intellectual forces of the rise of Sociological theories.</p> <p>2) To provide the students with the basic understanding of emergence of sociological thought and to know about Pioneer sociologist stated theories with their contributions to Sociology.</p>
10	B.A.T.Y.	V	X	Introduction to Research Methodology	<p>1) The students better understanding to application of Social Science in general and sociology in particular.</p> <p>2) To provide and equip the students with the procedures tools and techniques of social research.</p>
11	B.A.T.Y.	V	XI	Social Problems in India	<p>1) Students understood about as a Nation of diversity and plural society India witnessed many issues in past and present this course is designed to identify and analyse some of emerging social problems from sociological perspective.</p> <p>2) To sensitize the students about social</p>

					problems of contemporary India and to discuss the measures on it.
12	B.A.T.Y.	VI	XIII	Sociological Theories	1) Students understand about basic theoretical approaches and develop their sociological thinking while knowing theoretical contribution of prominent sociologist of their time.
13	B.A.T.Y.	VI	XIV	Social Research Methods	1) Students understood about primary technique and the use of research. 2) Students understood about in the view of increasing use of computers and statistical tools in social research.
14	B.A.T.Y.	VI	XV	Social Disorganization in Contemporary India	1) Students understood about rapid industrialisation and modernization Indian society is witnessing drastic changes with this transformation. Indian society also witnessing few negative changes in social institutions. 2) Students understood about elaborate such changes and to know causes and impact of social disorganization.


Dr. Sunanda Aher
 Associate Professor
 Head of Department
 Mahila Kala Mahavidyalaya
 Beed-431122


PRINCIPAL
 Mauli Vidyapeeth's
 Mahila Kala Mahavidyalaya

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.
Department of Geography
Academic Year-2023-24
PROGRAM OUTCOMES
(POs)

- Students will have a general understanding of physical geographic processes, the global distribution of landforms and ecosystems, and the role of the physical environment on human population.
- Students will have a general understanding of the various theoretical and methodological approaches in both physical and human geography and be able to develop research questions and critically analyze both qualitative and quantitative data to answer those questions.
- Students will develop a solid understanding of the concepts of "space," "place" and "region" and their importance in explaining world affairs.
- Students will understand general demographic principles and their patterns at regional and global scales.
- Students will be able to locate on a map major physical features, cultural regions, and individual states and urban centers.


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeet's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.
 Department of Geography
 Academic Year-2023-24
COURSE OUTCOMES
(COS)

<i>Sr. No.</i>	<i>Class</i>	<i>Semester</i>	<i>Paper Number</i>	<i>Title of the Paper</i>	<i>Course Outcomes</i>
1.	B.A.F.Y.	I	I	Physical Geography	*student we'll now the basic concept in physical geography *Understand Earth tectonic and structural evolution. *Gain knowledge about earth interior and various varies regarding Earth.
2.	B.A.F.Y.	I	II	Human Geography	Students can explain the relations hip between the environment and society *To able the understood various culture *To able the classify social groups
3.	B.A.F.Y.	II	III	Geography of Landform	*To understand the lithosphere, atmosphere, and hydrosphere in relation to human being *To understand the process of evaluation of landforms * Able to examine the cycle of erosion
4.	B.A.F.Y.	II	IV	Geography of Maharashtra	*It can help us understand the regional imbalance *To understand the relationship between natural and cultural factors
5.	B.A.F.Y.	I & II	V	Practical Geography	*To able the map. interpretation *To able the relief interpretation. * Able to map enlargement ad reduction

6.	B.A.S.Y.	III	VI	Climatology	<p>*To understand the global warming</p> <p>*Understand the greenhouse effects.</p> <p>*Able to reading climate condition.</p>
7.	B.A.S.Y.	III	VII	Population Geography	<p>*Identify and understand the population in term of their quality and special distribution pattern.</p> <p>*Learn the role of demography and population studies as a distinct field of human geography.</p>
8.	B.A.S.Y.	IV	VIII	Oceanography	<p>* Able to the understand interrelationship of ocean to other system.</p> <p>*Able to explain the how physical and chemical factors in the ocean affect the climate.</p> <p>* To understand the ocean resources</p>
9.	B.A.S.Y.	IV	IX	Introduction of GIS	<p>*understand various components and principle of GIS</p> <p>*Construct the thematic maps using different digital layers.</p> <p>* Apply GIS in various geographical studies</p>
10.	B.A.S.Y.	III & IV	X	Practical Geography	<p>*To able the measure the air temperature, air pressure etc.</p> <p>*To interpret the climatic condition map</p>
11.	B.A.T.Y.	V	XI	Physical Geography of India (Subsidiary)	<p>*To understand the physio-climatic region of India.</p> <p>* Able to find out association between physiographic factors and cultural factors</p>
12.	B.A.T.Y.	V	XII	Geography of Environment (Subsidiary)	<p>Able to know the environmental changes is occurred. *Able to conduct analysis</p> <p>*To understand the core geographic lexicon and basic concept environment.</p> <p>* Create the awareness about environment.</p>

13.	B.A.T.Y.	V	XIII	Industrial Geography of Maharashtra (Main)	<ul style="list-style-type: none"> *Able to evaluate the industrial development of Maharashtra. *Able to find out the barriers to industrial development
14.	B.A.T.Y.	VI	XIV	Agricultural Geography of India (Subsidiary)	<ul style="list-style-type: none"> *To understand the agriculture system of India. * To understand the influence of physical economic and technological factors on agriculture pattern
15.	B.A.T.Y.	VI	XV	Geography of Natural Calamity (Subsidiary)	<ul style="list-style-type: none"> *To help for facing natural calamity. * A sense of being understand and accepted. * Able to work as a volunteer in rescue team.
16	B.A.T.Y.	VI	XVII	Biogeography (Main)	<ul style="list-style-type: none"> *To able the contribute the environment conservation. *To able the attempts to understand interrelation between environment and man. *To preserve the biodiversity.
17.	B.A.T.Y.	V & VI	XVI	Geography Practical (Subsidiary)	<ul style="list-style-type: none"> *Able to calculate the mean, median and mode. * Able to find out the correlation coefficient
18.	B.A.T.Y.	V & VI	XVIII	Geography Practical (Main)	<ul style="list-style-type: none"> *Able to conduct the land survey by chain and tap, plan table.
19.	B.A.T.Y.	V & VI	XIX	Project Work (Main)	<ul style="list-style-type: none"> *Able to conduct the field survey *Able to process the collected data with proper statistical method * Able to present the data by using appropriate cartographic techniques.


PRINCIPAL
 Mauli Vidyapeeth's
 Mahila Kala Mahavidyalaya
 Beed-431122.(MS.)

माऊली विद्यापीठ संचलित,
महिला कला महाविद्यालय, बीड

मराठी विभाग
शैक्षणिक वर्ष 2023-2024

कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम

पदवीसाठी मराठी विषय घेतलेल्या विद्यार्थ्यांना भविष्यात भरपूर संधी आहेत.

1. मराठीत वाचन, लेखन आणि संवाद कौशल्य विकसित करता येते. विद्यार्थ्यांचे मराठी वृत्तनिवेदक म्हणून काम.
2. विद्यार्थी लेखक, अनुवादक, उद्घोषक, वक्ता, शिक्षक, प्रशासक इत्यादी म्हणून त्यांचे करिअर घडवू शकतात.
3. विद्यार्थ्यांना शिक्षक किंवा प्राध्यापक म्हणून रोजगाराच्या संधीही मिळू शकतात.
4. विद्यार्थ्यांना दलित, ग्रामीण, स्त्रीवादी, आदिवासी आणि वैज्ञानिक दृष्टिकोन यासारख्या कथांचे प्रकार कळतील. भारतीय साहित्याच्या स्वरूपाचा अभ्यास करताना विद्यार्थ्यांनी भारतीय साहित्याची विचारधारा समजून घेतली पाहिजे
5. भाषेचे मूल, स्वरूप आणि कार्य समजून घेणे.
6. सामाजिक, सांस्कृतिक आणि धार्मिक स्थितीचा आढावा घेणे.
7. व्यवसाय, विज्ञान, कार्यालय आणि साहित्याची परी भाषा समजण्यास सक्षम होण्यासाठी.
8. धडे आणि कवितेची सामाजिक मूल्ये, लोकशाही, औद्योगिक, अनुभव, साहित्यिक आणि सांस्कृतिक मूल्ये समजून घेणे.
9. एमपीएससी, युपीएससी या सारख्या स्पर्धात्मक परीक्षा देता येतात.


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

माऊली विद्यापीठ संचलित,

महिला कला महाविद्यालय, बीड

मराठी विभाग

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024

अभ्यासक्रमाचा परिणाम (सार)

अ.क्र.	वर्ग / सत्र	अभ्यासपत्रिका क्र.	अभ्यासपत्रिका शीर्षक	अभ्यासक्रमाचा सार
1	बी.ए.प्रथम वर्ष ऐच्छिक सत्र - पहिले	MAR-101	अभ्यासपत्रिका -1 निवडक अभंग	1. संत साहित्य आणि त्यातील प्रवाहांची ओळख. 2. अभंगाच्या स्वरूपाकडे विशेष लक्ष देऊन अभंगाची वैशिष्ट्ये आणि भाव स्पष्ट करताना अभंगाचे मूल्य समजते. 3. संतांच्या अभंगांच्या रचनेतील साम्य आणि फरक समजतो. 4. आजच्या काळात अभंगाची उपयुक्तता पटवून देण्यास मदत होते.
2	बी.ए.प्रथम वर्ष ऐच्छिक सत्र - पहिले	MAR-102	अभ्यासपत्रिका -II निवडक कथा	1. विद्यार्थ्यांमध्ये संवेदनशीलता निर्माण करणे. 2. कथेची दृष्टी विकसित करेल. 3. अभिव्यक्ती समजण्यास सक्षम असणे. 4. कथेचा प्रकार आणि कथेचा इतिहास विचारात घेणे. 5. विद्यार्थ्यांना दलित, ग्रामीण, स्त्रीवादी, आदिवासी आणि वैज्ञानिक दृष्टिकोन अशा कथांचे प्रकार कळतील.
3	बी.ए.प्रथम वर्ष ऐच्छिक सत्र - दुसरे	MAR-103	अभ्यासपत्रिका III निवडक ललित गद्य	1. ललित गद्याचे विशेष स्वरूप आणि परंपरा स्पष्ट करणे. 2. ललित गद्य आणि शैलीतील फरक प्रकट करण्यासाठी इतर साहित्यिक प्रकारांचा अभ्यास करणे. 3. ललित लेखकाच्या तरल संवेदनशील विचार प्रवृत्तीचा शोध घेणे आणि त्यातून निर्माण होणारे सौंदर्य शोधणे. 4. निवडक ललित लेखकांच्या ललित लेखनाचे वेगळे स्वरूप आणि त्यांच्यातील साम्य उलगडणे. 5. अभिजाततेच्या मार्गावर चालणाऱ्या विविध लेखकांची ओळख करून देऊन विद्यार्थ्यांना ललित लेखनात सर्जनशील होण्यासाठी प्रेरित करणे.
4	बी.ए.प्रथम वर्ष ऐच्छिक सत्र - दुसरे	MAR-104	अभ्यासपत्रिका IV आधुनिक निवडक कविता	1. विद्यार्थ्यांमध्ये संवेदनशीलता निर्माण करणे. 2. काव्यात्मक दृष्टी विकसित होईल. 3. अभिव्यक्ती समजण्यास सक्षम होण्यासाठी. 4. कवितेचा प्रकार आणि कवितेचा इतिहास विचारात घेणे.

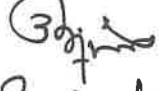
				5. काव्यात्मक साधने आणि त्यांचे उपयोग विकसित करणे.
5	बी.ए.द्वितीय वर्ष सत्र III & IV	MAR-105 & MAR-107	अभ्यासपत्रिका V & VII मध्ययुगीन मराठी वाङ् मयाचा इतिहास : आरंभ ते 1818	<ol style="list-style-type: none"> 1. मराठी वाङ् मयाचा प्रारंभ काल समजून घेणे. 2. मध्ययुगातील प्रारंभीची कविता व गद्य वाङ् मय लक्षात आणून देणे. 2. सामाजिक-सांस्कृतिक आणि राजकीय परिस्थिती विचारात घेणे. 3. त्याच काळातील संक्षिप्त साहित्य जाणून घेणे. 4. त्याच कालावधीतील विविध साहित्य प्रकार जाणून घेणे.
6	बी.ए.द्वितीय वर्ष सत्र III	MAR-106	अभ्यासपत्रिका VI साहित्य प्रकार: कादंबरी	<ol style="list-style-type: none"> 1. कादंबरीचे स्वरूप व घटक समजून सांगता येते. 2. कादंबरीचे विविध प्रकार उलगडून दाखवण्यास मदत. 3. कादंबरीचे आशयसूत्र व भाषा यातील विविध घटकांचा उलगड करता येतो. 4. कादंबरीच्या कथानकाची जडणघडण, घटना प्रसंगाच्या आधारे कशी होते ते सांगता येते. 5. कादंबऱ्यातील जाणीवा समजून सांगता येतात.
7	बी.ए.द्वितीय वर्ष सत्र IV	MAR-108	अभ्यासपत्रिका VIII साहित्य प्रकार: नाटक	<ol style="list-style-type: none"> 1. नाटकाचे स्वरूप व घटक सांगण्यास मदत होते. 2. नाटकाचे विविध प्रकार उघडून दाखवण्यास मदत होते. 3. नाटकातील संवादाचे महत्त्व अधोरेखित करता येते. 4. नाटकाची संहिता व प्रयोगमूल्ये यातील सूक्ष्मता उलगडून दाखवता येते. 5. नाटकातील जाणीव समजून सांगता येतात.
8	बी.ए.तृतीय वर्ष सत्र V	MAR-109	अभ्यासपत्रिका IX भारतीय साहित्य विचार	<p>भारतीय साहित्याच्या स्वरूपाचा अभ्यास करताना विद्यार्थ्यांना भारतीय साहित्याची विचारधारा आणि मम्मट, विश्वनाथ, दण्डी, आनंदवर्धन, रुद्रट आणि भरतमुनी इत्यादी लेखकांची उदाहरणे समजू शकतात.</p> <ol style="list-style-type: none"> 2. जर्नलमध्ये अभ्यास केला जातो आणि रससिद्धांत सारख्या विविध साहित्यिक कल्पनांवर चर्चा केली जाते. 3. कथा, कविता, नाटक, निबंध इत्यादींचा अभ्यास करता येतो.
9	बी.ए.तृतीय वर्ष सत्र V	MAR-110	अभ्यासपत्रिका X भाषाविज्ञान	<ol style="list-style-type: none"> 1. भाषेचा इतिहास आणि मराठी भाषेची एकंदर रचना काय आहे, इंद्रियांद्वारे कोणते शब्द उच्चारले जातात, याची माहिती विद्यार्थ्यांना व्हावी. 2. आधुनिक भाषाशास्त्र परिचित होणे. 3. भाषेचे मूळ, स्वरूप आणि कार्य समजून घेणे. 4. ध्वन्यात्मकतेबद्दल माहिती मिळवणे. 5. विद्यार्थ्यांचे मराठी भाषेचे उच्चार सुधारणे. 6. मराठी भाषेची आवड वाढवणे.

				7. विद्यार्थ्यांना भाषाशास्त्रातील सामर्थ्य, मर्यादा, निष्कर्ष इ. आणि त्यांचा दैनंदिन जीवनात कसा उपयोग होईल याची माहिती देणे.
--	--	--	--	---

10	बी.ए.तृतीय वर्ष सत्र V	MAR-111	अभ्यासपत्रिका XI मध्ययुगीन मराठी वाङ् मयाचा इतिहास प्रारंभ ते 1600	<p>1. यादव काळातील सामाजिक-सांस्कृतिक आणि धार्मिक परिस्थितीची माहिती ठेवणे आणि त्या काळात लिहिलेल्या ग्रंथांची विद्यार्थ्यांना जाणीव करून देणे.</p> <p>2. बहामनी काल ग्रंथांमागील अर्थ आणि त्यांचे वास्तविक धर्मग्रंथ समजून घेऊन त्यांचे पुनरावलोकन करणे.</p> <p>3. काळाचे महत्त्वाचे ग्रंथ, त्या ग्रंथांचे लेखक आणि त्यांचे ग्रंथ यांचा अभ्यास करून त्याबद्दल आकलन करणे.</p> <p>4. मध्ययुगीन काळातील मराठी साहित्याच्या प्रवाहांचा अभ्यास करणे.</p>
11	बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक सत्र-V & VI	MAR- 112& MAR-116	Paper XII & XVI-प्रकल्प कार्य	<p>1. वाचन आणि लेखन कौशल्यांचा विकास.</p> <p>2. विद्यार्थ्यांच्या दूरदृष्टीचा विकास.</p> <p>3. संशोधनाची दृष्टी आत्मसात करून विद्यार्थ्यांमध्ये लेखन कौशल्य विकसित करणे.</p> <p>4. विद्यार्थ्यांना सीमावर्ती भागात आणि त्यांच्या प्रादेशिक वैशिष्ट्यांचा भाषिक अभ्यास आणि संशोधन करण्यासाठी प्रोत्साहित करणे.</p>
12	बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक सत्र-VI	MAR-113	अभ्यासपत्रिका XIII- पाश्चात्य साहित्यविचार	<p>1. पाश्चात्य साहित्याच्या स्वरूपाचा अभ्यास करताना विद्यार्थ्यांनी पाश्चात्य साहित्याची विचारधारा आणि त्यातील वर्डस्वर्थ, मॅथ्यू, अरनॉल्ड, सिगमंड फ्रायड, कॉलरिस इत्यादी साहित्यिकांची उदाहरणे समजून घेतली पाहिजेत.</p> <p>2. साहित्याचा उद्देश, निर्मिती प्रक्रिया, साहित्यातील विविध वादविवादांचा परिचय आणि समीक्षक लेखनाचा विकास करण्याचा दृष्टिकोन.</p> <p>3. हा अभ्यास जर्नलमध्ये केला गेला आहे आणि येथे मार्क्सवादी साहित्य विचार, समाजवादी साहित्य विचार, वास्तववादी साहित्य विचार आणि सामान्यतः ऐतिहासिक आणि मार्क्सवादी समीक्षा पद्धती काय आहे यासारख्या विविध साहित्यिक विचारांवर चर्चा केली आहे.</p>
13	बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक सत्र-VI	MAR-114	अभ्यासपत्रिका XIV- व्याकरण व निबंध	<p>1. मराठीत वाचन, लेखन आणि संवाद कौशल्ये विकसित करणे.</p> <p>2. मराठी भाषाशास्त्र आणि व्याकरणाचा अभ्यास त्यांच्या व्यावहारिक जीवनात लागू करणे.</p> <p>3. विद्यार्थ्यांना मराठी भाषेतील व्याकरण आणि निबंधांची माहिती असावी.</p> <p>4. विद्यार्थ्यांचे उच्चार सुधारण्यास तसेच दैनंदिन लेखनात, लिहिताना व्याकरण कोठे वापरले जाऊ शकते हे त्यांना कळण्यासाठी मदत करते.</p>

14	बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक सत्र-VI	MAR-115	अभ्यासपत्रिका XV- मध्ययुगीन मराठी वाङ् मयाचा इतिहास 1601 ते 1818	<ol style="list-style-type: none"> 1. शिवकाळ- पेशवेकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक आणि धार्मिक स्थितीचा आढावा घेणे. 2. पुस्तक निर्मितीच्या प्रेरणा आणि परिणामांचा अभ्यास करणे. 3. तत्कालीन ग्रंथ-ग्रंथपाल-ग्रंथविशेषांचे आकलन. 4. पंडिती, शाहिरी आणि बखर साहित्याचे विशेष पूर्वनिर्धारण समजून घेणे.
15	बी.ए.प्रथम वर्ष द्वितीय भाषा सत्र I & II	AECC-1 & AECC-2	अभ्यासपत्रिका I & II भारतीय भाषा I & II	<ol style="list-style-type: none"> 1. विद्यार्थ्यांना मराठी साहित्य, भाषा आणि संस्कृतीची ओळख करून देणे. 2. मराठी साहित्यात रुची निर्माण करणे. 3. साहित्याची प्रशंसा करण्याची क्षमता जोपासा. 4. मराठी साहित्याच्या विविध शाखा आणि चळवळी समजून घ्या. 5. जागतिकीकरणाच्या युगात आवश्यकता पूर्ण करण्यासाठी भाषिक कौशल्ये विकसित करा. 6. व्यक्तिमत्व विकासात भाषेचे महत्त्व. 7. भाषांतराचे कौशल्य विकसित करणे. 8. सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्ये समजून घेणे. 9. तंत्रज्ञानाचा व्यावहारिक उपयोग स्पष्ट करण्यासाठी व्यावहारिक ज्ञान.
16	बी.ए.द्वितीय वर्ष - द्वितीय भाषा सत्र III & IV	MAR-03 & MAR-04	अभ्यासपत्रिका III & IV भारतीय भाषा भाग 3 & 4	<ol style="list-style-type: none"> 1. प्रमाणित लेखन सराव सुरू करणे. 2. भाषांतराचे कौशल्य विकसित करणे. 3. आधुनिक मराठी साहित्यातील निवडक चरित्रे, गद्य आणि कविता यांचे कौतुक आणि मूल्यमापन करण्याची क्षमता विकसित करा. 4. साहित्याच्या अभ्यासातून जगण्याची कला विकसित करून समाजाकडे पाहण्याची क्षमता विकसित करणे. 5. व्यवसाय, विज्ञान, कार्यालय आणि साहित्याची परी भाषा समजण्यास सक्षम असणे. 6. विविध माध्यमे ओळखून हाताळण्याची क्षमता विकसित करणे. 7. अभ्यासक्रमात समाविष्ट केलेल्या मजकुराच्या लेखक आणि कवीची विद्यार्थ्यांना ओळख करून द्यावी. 8. धडे आणि कवीची सामाजिक मूल्ये, लोकशाही मूल्ये, औद्योगिक अनुभव, साहित्यिक मूल्ये, सांस्कृतिक मूल्ये समजून घेण्यासाठी विद्यार्थ्यांना त्यांचे जीवन विकसित करण्यास मदत करणे. 9. वाचन संस्कृती वाढवून विविध साहित्यिक ग्रंथांचा परिचय. विद्यार्थ्यांच्या हितासाठी आणि त्यांचा जीवनात

				उपयोग व्हावा यासाठी हा अभ्यासक्रम तयार करण्यात आला आहे.
--	--	--	--	---


Dr. Ravindra Dhas
Dept. of Marathi
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed
Department of Home Science
Academic Year 2023-2024

B.A Home Science:

Program Outcomes (P.O.):

- Women Empowerment.
- Skill Building and Skill enhancement.
- Capacity building.
- Enhance employability.

Program Specific Outcomes (P.S.O):

- Understand the sciences and technologies that enhance the quality of life in day to day living.
- Acquire professional and entrepreneurial skills for economic empowerment of self in particular and of community in general.
- Develop professional skills in food, nutrition, textiles, housing, product making etc.
- Take science from the laboratory to the people.
- Competence in public speaking, writing and inter personal skills.
- Development of critical sensitivity towards community issue and process.
- Acquire basic management skills for organizing events, resource mobilization, leading community-based project etc.
- Understand and appreciate the role of interdisciplinary science in the development and well-being of individuals, families and communities.
- Understand the importance of food and health to enhance the quality of life of people.
- Develop skills in food, nutrition, textile, housing, product making, communication technologies and development.


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

MauliVidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed

Department of Home Science

Academic Year 2023-2024

Courses outcomes (COS)

Sr. No.	Class Semester	Paper Title	Course outcomes
1	B.A. I, II, III	Food and Nutrition	<ol style="list-style-type: none"> 1. To understand the basic concept of related nutrition 2. To understand basic concept of nutrition 3. To understand the knowledge of food, food function and nutritive value 4. To develop abilities to plan Diets for various stages 5. To understand the method of food preparation and food preservations 6. To develop the entrepreneurial skills
2	B.A.	Clothing and Textile	<ol style="list-style-type: none"> 1. Ability to identify fibers and fabrics 2. Learning basic swing skills 3. Learn about scope of textile and clothing 4. Develop creativity in 'designing of textile & clothing 5. Derails process of fabric construction, weaving, knitting, braiding 6. Use of sewing machine & maintenances embroidery 7. Garment making & dress designing 8. Method of dyeing, printing & different fabric finishes 9. Acquire jobs in textile Industry 10.Run hobby classes for printing

			11. Selection and clothing according to personality
3	B.A.	Human Development	<ol style="list-style-type: none"> 1. Basic knowledge of stages development 2. Develop awareness about important aspects of development 3. Understand the issues and adjustment at each stage of life cycle 4. Awareness about all round development 5. Importance of mental hygiene 6. Awareness about marriage and family, adjustment 7. Awareness about problems of old age, middle age, pregnant women's, lactating mother and children 8. Awareness regarding parenthood, parent, child relationships. 9. Understand behavioral problems of children 10. Awareness about Important of punishment & rewards for children
4	B.A.	Extension Education	<ol style="list-style-type: none"> 1. Difference between formal & extension education 2. Method of communication in extension education 3. Extension program planning, evaluation 4. Extension teaching aids 5. Qualities, role and worker for community 6. Role & qualities of leader 7. Develop social responsibility and to get acquainted with social problems 8. Get employment in ILQS, KIIK
5	B.A.	Home Management	<ol style="list-style-type: none"> 1. Know systematic process of management and goals management

			<p>of teaching in day to day life</p> <ol style="list-style-type: none"> 2. Understand the decision making process 3. Finding out the goals and values of family 4. Sensitize with family resources 5. Understand elements and design 6. Making handcraft art articles, toys and sale them
--	--	--	---



PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
(22/MS)

Mauli Vidyapeeth's

Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed

Department of Political Science

Program Specific Outcomes [PSOs]

~~2023-2024~~ 2023-2024

Students who have taken political science subject for degree have a lot of opportunities to be successful.

- After graduation it will help to become a good student and professor of political science
- After completing the degree, the awareness of the social, political, economic, cultural, religious situation of the nation will be created
- It will help students to become successful political leaders
- It will help the students to know about Indian Constitution
- It will help the students to study social justice and Indian Judiciary
- Political Science subject to help them in competitive exams in various fields
- It will help the students can become excellent political analysts
- It will help the students to appear Maharashtra Public Service Commission and Central Public Service Commission examination .


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth's

Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed

Department of Political Science

Course Learning outcomes

2023 -2024

B.A.F.Y.

Name of the paper :- Indian Constitution and Government

- 1) Students will develop a comprehensive understanding of the concept of social justice and its significance within the framework of the Indian Constitution.
- 2) Students will analyze and interpret the constitutional provisions related to human rights, with a focus on their implications for promoting social justice and ensuring the dignity of all citizens.
- 3) Students will critically evaluate various legislative enactments passed by the Indian Parliament aimed at advancing social justice objectives, assessing their effectiveness and impact on society.
- 4) Students will engage in in-depth study and discussion of key legal frameworks and mechanisms established to uphold social justice principles, fostering a nuanced understanding of the legal and institutional structures supporting societal equity.

B.A.S.Y.

Name of the Paper :- International Relation

- 1) Aware of the making, sources and features of the Indian constitution.
- 2) Known about structure and functioning of Indian Government
- 3) Acquainted of dynamics in Indian politics
- 4) Able to understand and to analyze party politics, federal system, elections and
- 5) democratic values. To study the framing, means and goals of foreign policy.
- 6) To understand the objectives and principles of India's foreign policy.

B.A.T.Y.**Western Political Thinker**

- 1) Students will exhibit a thorough understanding of key political thinkers and their foundational concepts
- 2) Students will discern and analyze similarities and differences among thinkers with analogous concepts.
- 3) Students will apply these conceptual frameworks to analyze and interpret contemporary political scenarios.
- 4) Students will articulate the essence and significance of normative thinking, elucidating its role in shaping political discourse and decision-making processes.


PRINCIPAL

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Regd-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth Sanchalit,

Mahila kala mahavidhalaya beed

Department of History

2023-2024

Program Specific Outcomes(SPOs)

- Candidates can find employment in several state and Central Government Organizations, non-profit groups, academic institutions and private sectors.
- This program prepares students for specific types of occupations and frequently, for direct entry into the employment market.
- Candidates with strong academic proficiency can opt for teaching professions in colleges and vocational training institutes that match government job scales.
- This program will enable students to update their knowledge and professional skills for entering the workforce with innovative income generating activities and self-entrepreneurship.


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122 (MS.)

Mauli Vidyapeeth Sanchalit,

Mahila kala mahavidhalaya beed

Department of History

Academic year 2023-2024

Course Outcomes (Cos)

Sr.no	Class	Semester	Paper no.	Title of the paper	Course outcome
1.	BAFY	I	I	History of Maratha 1630-1760	1. Students understood about social religious and economics situation before Shivaji Maharaj Times 2. Students follows the proud history of Shivaji Maharaj and his war
2.	BAFY	I	II	History of Early India up to 320	1.The students came together to dissolve caste and creed. 2.Students respect historical architecture and Indian culture.
3.	BAFY	II	III	History of the Marathas (1707-1818)	1. students have been understood the work of first Bajirao Peshwa 2. Students have been now about the women status educational system and religious life in the period of Maratha
4.	BAFY	II	IV	History of India Ad 320-1206	1.Students honour ancient great thinkers. 2.Students have been fascinated with ancient literature.
5.	BASY	III	V	History of early India (UP to B.C.300)	1.The students came together to dissolve caste and creed. 2.Students respect historical architecture and Indian culture.
6.	BASY	III	VI	History of Delhi Saltanat (1200-1526)	1. Students have known about the literacy of Delhi Saltanat. 2. Students are aware about Dynasty of Delhi Saltanat. 3. Students have been known about the Kutubminar and Hemadpanti temple structure

7.	BASY	IV	VII	History of India B.C.300A.D.650)	1.Students honour ancient great thinkers.
----	------	----	-----	-------------------------------------	---

					2.Students have been fascinated with ancient literature.
8.	BASY	IV	VIII	History of Mughal India 1526 - 1757)	1. Students are aware about the work of Babar, Humayun,Akbar,Shahajahan and Aurangzeb. 2.Students have been known about Zamindar,Mansabdar,Jahagirdar. 3. Students have been known about the monuments like Taj mahal and Lal Killa(Red fort.)
9.	BATY	V	IX	Historiography	1.Students know history as a coordinating branch of art and science. 2.Students know the origin of modern thinking through history.
10.	BATY	V	X	History of Indian National movement	1.Students are keenly aware of the vision and planning of British rule had at that time. 2.Students have acquired the value of male and female equality.
11.	BATY	V	XI	History of Modern China AD 1900-1950	1.Students understands thoughts of 04 May movement developed leadership qualities in students. 2.Students came to know democracy because of Sun-yetSen thought. Communism took root among students because of Mao's thought. 3.Students understand the background of today's industry development.

12.	BATY	VI	XIII	Fields of history	<p>1.Students understand the importance and background of the Historical Museum, Archaeology Department, and Historical places.</p> <p>2. Students take pride in their ancient, cultural heritage of India.</p>
13.	BATY	VI	XIV	Landmarks in the history modern world	<p>1.National unity has been inculcated among students.</p> <p>2.Humanitarian views and constitution respect have been inculcated among the students,</p>
14.	BATY	VI	XV	Glimpse of the history Marathwada	<p>1.The students have embraced the thoughts of the saints.</p> <p>2. Students have developed the courage to face adversity.</p>
15.	BATY	V/VI	XII/XVI	Project Work	<p>1. Students learned to verify the authenticity of historical evidence.</p> <p>2.Due to Using modern research methods, students' confidence has increased.</p>

f

Signature

Dr.Mohan Kalkute

Department of History


PRINCIPAL

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth Sanchalit,

Mahila kala mahavidhalaya beed

Department of History

Academic year 2018-2019 to 2021-2022

Course Outcomes (COs)

Sr.no	Class	Semester	Paper no.	Title of the paper	Course outcome
1.	BAFY	I	I	Shivaji and his time (1630-1707)	1. Students understood about social religious and economics situation before Shivaji Maharaj Times 2. Students follows the proud history of Shivaji Maharaj and his war
2.	BAFY	I	II	History of modern Maharashtra (1818-1905)	1.Students understand the importance of union power 2. students gained the ability to overcome adversity.
3.	BAFY	II	III	History of the Marathas (1707-1818)	1. students have been understood the work of first Bajirao Peshwa 2. Students have been now about the women status educational system and religious life in the period of Maratha

4.	BAFY	II	IV	20th century Maharashtra (1905-1960)	<p>1. Student learned to base their views polity of justice</p> <p>2. Students organized by forgetting discrimination</p>
5.	BASY	III	V	History of early India (UP to B.C.300)	<p>1. The students came together to dissolve caste and creed.</p> <p>2. Students respect historical architecture and Indian culture.</p>
6.	BASY	III	VI	History of Delhi Saltanat (1200-1526)	<p>1. Students have known about the literacy of Delhi Saltanat.</p> <p>2. Students are aware about Dynasty of Delhi Saltanat.</p>

					3. Students have been known about the Kutubminar and Hemadpanti temple structure
7.	BASY	IV	VII	History of India B.C.300 A.D.650)	<p>1. Students honour ancient great thinkers.</p> <p>2. Students have been fascinated with ancient literature.</p>
8.	BASY	IV	VIII	History of Mughal India 1526 - 1757)	<p>1. Students are aware about the work of Babar, Humayun, Akbar, Shahajahan and Aurangzeb.</p> <p>2. Students have been known about Zamindar, Mansabdar, Jahagirdar.</p> <p>3. Students have been known about the monuments like Taj mahal and Lal Killa (Red fort.)</p>
9.	BATY	V	IX	Historiography	<p>1. Students know history as a coordinating branch of art and science.</p> <p>2. Students know the origin of modern thinking through history.</p>
10.	BATY	V	X	History of Indian National movement	<p>1. Students are keenly aware of the vision and planning of British rule had at that time.</p> <p>2. Students have acquired the value of male and female equality.</p>

11.	BATY	V	XI	History of Modern China AD 1900-1950	<p>1.Students are keenly aware of the vision and planning of British rule had at that time.</p> <p>2.Students have acquired the value of male and female equality.</p>
12.	BATY	VI	XIII	Fields of history	<p>1.Students understands thoughts of 04 May movement developed leadership qualities in students.</p> <p>2.Students came to know democracy because of Sun-yetSen thought. Communism took root among students because of Mao's thought.</p> <p>3.Students understand the background of today's industry development.</p>
13.	BATY	VI	XIV	Landmarks in the history modern world	<p>1.National unity has been inculcated among students.</p> <p>2.Humanitarian views and constitution respect have been inculcated among the students,</p>
14.	BATY	VI	XV	Glimpse of the history Marathwada	<p>1.The students have embraced the thoughts of the saints.</p> <p>2. Students have developed the courage to face adversity.</p>
15.	BATY	V/VI	XII/XVI	Project Work	<p>1. Students learned to verify the authenticity of historical evidence.</p> <p>2.Due to Using modern research methods, students' confidence has increased.</p>


Signature

Dr.Mohan Kalkute

Department of History


PRINCIPAL
Maui Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya